विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -23-07-2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज हिन्दी व्याकरण के अन्तर्गत स्त्रीलिंग के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे। लिखकर याद कीजिए।

स्त्रीलिंग

स्त्रीलिंग की परिभाषा

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का पता चलता है उसे स्त्रीलिंग कहते हैं ।

जैसे- हंसिनी, लडकी, बकरी, माता, रानी, सुईं, गर्दन, बनावट, घोड़ी, बंदरिया, कुर्सी, पत्ती, नदी, शाखा, मुर्गी, गाय, बहन, यमुना, बुआ, लक्ष्मी, गंगा, लडकी, औरत, शेरनी, नारी, झोंपड़ी, लोमड़ी आदि ।

स्त्रीलिंग के अपवाद

जैसे- जनवरी, मई, जुलाई, पृथ्वी, मक्खी, ज्वार, अरहर, मूंग, चाय, काफी, लस्सी, चटनी, इ, ई, ऋ, जीभ, आँख, नाक, उँगलियाँ, सभा, कक्षा, संतान, प्रथम, तिथि, छाया, खटास, मिठास, आदि ।

स्त्रीलिंग प्रत्यय

जब पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग बनाया जाता है तब प्रत्ययों को शब्दों में जोड़ा जाता है जिन्हें स्त्रीलिंग प्रत्यय कहते हैं ।

जैसे:

- ई = बड़ा - बड़ी, भला - भली आदि ।

- इनी = योगी - योगिनी, कमल - कमलिनी आदि ।
- इन = धोबी - धोबिन, तेल - तेली आदि ।
- नि = मोर - मोरनी, चोर - चोरनी आदि ।

स्त्रीलिंग की पहचान

जिन संज्ञा शब्दों के पीछे ख , ट , वट , हट , आनी आदि आयें वे सभी स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- कडवाहट , आहट , बनावट , शत्रुता , मूर्खता , मिठाई , छाया , प्यास , ईख , भूख , चोख , राख , कोख , लाख , देखरेख , झंझट , आहट , चिकनाहट , सजावट , इन्द्राणी , जेठानी , ठकुरानी , राजस्थानी आदि ।

अनुस्वारांत , ईकारांत , उकारांत , तकारांत , सकारांत आदि संज्ञाएँ आती है वे स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- रोटी , टोपी , नदी , चिट्ठी , उदासी , रात , बात , छत , भीत , लू , बालू , दारू , सरसों , खड़ाऊं , प्यास , वास , साँस , नानी , बेटी , मामी , भाभी आदि ।

भाषा, बोलियों तथा लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- हिंदी , संस्कृत , देवनागरी , पहाड़ी , अंग्रेजी ,पंजाबी गुरुमुखी , फ्रांसीसी , अरबी ,फारसी, ज़र्मन ,बंगाली , रुसी आदि ।

नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- गंगा , यमुना , गोदावरी , सरस्वती , रावी , कावेरी , कृष्णा , व्यास , सतलुज , झेलम , ताप्ती , नर्मदा आदि।

तरीखो और तिथियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- पहली , दूसरी , प्रतिपदा , पूर्णिमा , पृथ्वी , अमावस्या , एकादशी , चतुर्थी , प्रथमा आदि ।

नक्षत्रो के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- अश्विनी , भरणी , रोहिणी , रेवती , मृगशिरा , चित्रा आदि ।

हमेशा स्त्रीलिंग रहने वाली संज्ञा होती हैं।

जैसे- मक्खी , कोयल , मछली , तितली , मैना आदि ।

समूहवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- भीड़ , कमेटी , सेना , सभा , कक्षा आदि ।

प्राणीवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- धाय , संतान , सौतन आदि।

आहारों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- सब्जी , दाल , कचौरी , पूरी , रोटी , पकोड़ी आदि।

मशालों के नाम भी स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- दालचीनी , लौंग , हल्दी , मिर्च , धनिया , इलायची , अजवाइन , सौंफ , चाय आदि।

राशि के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- कुम्भ , मीन , तुला , सिंह , मेष , कर्क आदि ।